

MA (Hindi)

Course Structure

FIRST YEAR (Common to all MBA Programmes)			
Semester – I		Semester - II	
Paper Code	Paper Title	Paper Code	Paper Title
MAHD 1911	Hindi Sahitya ka Itihas- I	MAHD 1921	Bharatiya Sahitya
MAHD 1912	Prachin evam Madhyakalin Kavya	MAHD 1922	Prayojanmulak Hindi
MAHD 1913	Bhasha Vigyan	MAHD 1923	Bharatiya Kavya Shastra
MAHD 1914	Hindi Bhasha	MAHD 1924	Paschatya Kavya Shastra
SECOND YEAR			
Semester – III		Semester - IV	
Paper Code	Paper Title	Paper Code	Paper Title
MAHD 1931	Hindi Sahitya ka Itihas- II	MAHD 1941	Anuvadvigyan
MAHD 1932	Katha Sahitya	MAHD 1942	Bhasha Prodhhyogiki
MAHD 1933	Kathetar Sahitya	MAHD 1943	Nai Media evam Hindi
MAHD 1934	Adhunik Kavita	MAHD 1944	Hinditarpradesh – Hindi Bhasha avam Sahitya

MA – HINDI CURRICULUM

	Code	Course Title	Credits	Internal Assessment		Term End Exam		Total	
				Max. Marks	Min. Pass marks	Max. Marks	Min. Pass marks	Max. Marks	Min. Pass marks
I SEMESTER	MAHD 1911	Hindi Sahitya ka Itihas- I	5	25	13	75	37	100	50
	MAHD 1912	Prachin evam Madhyakalin Kavya	5	25	13	75	37	100	50
	MAHD 1913	Bhasha Vigyan	5	25	13	75	37	100	50
	MAHD 1914	Hindi Bhasha	5	25	13	75	37	100	50
II SEMESTER	MAHD 1921	Bharatiya Sahitya	5	25	13	75	37	100	50
	MAHD 1922	Prayojanmulak Hindi	5	25	13	75	37	100	50
	MAHD 1923	Bharatiya Kavya Shastra	5	25	13	75	37	100	50
	MAHD 1924	Paschatya Kavya Shastra	5	25	13	75	37	100	50
III SEMESTER	MAHD 1931	Hindi Sahitya ka Itihas- II	5	25	13	75	37	100	50
	MAHD 1932	Katha Sahitya	5	25	13	75	37	100	50
	MAHD 1933	Kathetar Sahitya	5	25	13	75	37	100	50
	MAHD 1934	Adhunik Kavita	5	25	13	75	37	100	50
IV SEMESTER	MAHD 1941	Anuvadvigyan	5	25	13	75	37	100	50
	MAHD 1942	Bhasha Prodhhyogiki	5	25	13	75	37	100	50
	MAHD 1943	Nai Media evam Hindi	5	25	13	75	37	100	50
	MAHD 1944	Hinditarpradesh – Hindi Bhasha avam Sahitya	5	25	13	75	37	100	50

M.A. [HINDI] DEGREE PROGRAMME – SYLLABUS

4 Credits for Each Course

➤ FIRST SEMESTER /पहला सत्र

MAHD 1911	-	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीति काल तक)
MAHD-1912	-	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
MAHD-1913	-	भाषा विज्ञान
MAHD-1914	-	हिंदी भाषा

➤ SECOND SEMESTER/दूसरा सत्र

MAHD-1921	-	भारतीय साहित्य
MAHD-1922	-	प्रयोजनमूलक हिंदी
MAHD-1923	-	भारतीय काव्य शास्त्र
MAHD-1924	-	पाश्चात्य काव्य शास्त्र

➤ THIRD SEMESTER/तीसरा सत्र

MAHD-1931	-	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
MAHD-1932	-	कथा साहित्य
MAHD-1933	-	कथेतर साहित्य
MAHD-1934	-	आधुनिक कविता

➤ FORTH SEMESTER/चौथा सत्र

MAHD-1941	-	अनुवाद विज्ञान
MAHD-1942	-	भाषा प्रौद्योगिकी
MAHD-1943	-	नई मीडिया एवं हिंदी
MAHD-1944	-	हिंदीतर प्रदेश : हिंदी भाषा एवं साहित्य

FIRST SEMESTER /पहला सत्र

MAHD 1911	-	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीति काल तक)
MAHD-1912	-	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
MAHD-1913	-	भाषा विज्ञान
MAHD-1914	-	हिंदी भाषा

MAHD 1911- हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

विषय प्रतिपादन –

साहित्य सृष्टि अनेक जटिल प्रभावों का घात-प्रतिघात है। साहित्य का इतिहास केवल कवियों तथा लेखकों की रचनाओं का परिचय मात्र नहीं है। साहित्येतिहास में साहित्य की प्रवृत्तियों को भी समाहित किया जाता है। युग विशेष की राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक आदि परिस्थितियाँ एवं उनकी पृष्ठभूमि का निष्पक्ष वर्णन-विक्षेपण, इतिहास-दृष्टि के लिए आवश्यक है। साहित्य का इतिहास इन्हीं मानदंड का आकलन प्रस्तुत करता है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

साहित्य के समग्र अध्ययन के लिए उसके विकास के चरणों को साहित्य के इतिहास द्वारा परखा जा सकता है। आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्येतिहास की अपनी विशेषताएँ हैं। अतः हिंदी साहित्य के इतिहास के अध्येताओं के लिए इस प्रश्न पत्र का अध्ययन महत्वपूर्ण है।

पाठ्यवस्तु –

- इकाई 1- इतिहास-लेखन की परंपरा
हिंदी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन,
सीमा-निर्धारण और नामकरण
साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
काव्यधाराएँ
रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ (परिचय द्रुतपाठ)
- इकाई 2- आदिकाल की पृष्ठभूमि
रासो साहित्य
जैन साहित्य
सिद्ध एवं नाथ साहित्य
अमीर खुसरो की हिंदी कविता
विद्यापति एवं उनकी पदावली
आरंभिक गद्य तथा लौकिक साहित्य
- इकाई 3- पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल)
ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
सांस्कृतिक चेतना
भक्ति आन्दोलन
- इकाई 4- विभिन्न कव्यधाराएँ एवं उनका वैशिष्ट्य
निर्गुण ज्ञानाश्रयी
निगुण प्रेमाश्रयी
सगुण रामभक्ति
सगुण कृष्णभक्ति
भक्तितर काव्य और भक्तिकालीन गद्य साहित्य
- इकाई 5 - उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल)
ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा नामकरण की समस्या
विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त) एवं प्रवृत्तियाँ
प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएँ
रीतिकालीन गद्य साहित्य

संदर्भ ग्रन्थ –

1. हिंदी साहित्य का इतिहास- रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, 1715/21, दयानंद मार्ग, दरियागंज. नई दिल्ली-110 002
2. हिंदी साहित्य एवं संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद-1
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 7/31, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002
4. इतिहास क्या है – ई.एच.कार, मैकमिलन पब्लिशर्स इंडिया लिमिटेड, चेन्नई
5. साहित्य का इतिहास दर्शन- नलिनविलोचन शर्मा, बिहार-राष्ट्रभाषा-परिषद्, आचार्य शिवपूजन सहाय मार्ग, सैदपुर विस्तार पथ, पटना-800 004
6. हिंदी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110 002
7. हिंदी साहित्य इतिहास का आधा इतिहास, डॉ सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, 18, इंस्टीट्यूशनल एशिया, लोदी रोड, नई दिल्ली-110 003
8. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास- डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड, 3-6-752 हिमायतनगर, हैदराबाद-500 029
9. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि- मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002
11. भक्ति-आंदोलन और भक्ति काव्य- शिवकुमार मिश्र, लोक भारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद-1
12. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- डॉ. रामकुमार वर्मा, लोक भारती प्रकाशन, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद-1
13. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र (सं.), मयूर पेपरबैक्स, एस.आर.बी. 43 ए, शिप्रा रिवेरा, ज्ञानखंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश-201 014
14. हिंदी साहित्य का अतीत (2 खंड)- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002
15. हिंदी साहित्य का इतिहास- लक्ष्मीसागर वाष्णेय, लोक भारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद- 211 001
16. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त, लोक भारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद-211 001
17. इतिहास- लेखन की समस्याएँ – नीलकांत (सं.), विभा प्रकाशन, 50, चाहचद्र इलाहाबाद-211 003
18. साहित्य का इतिहास दर्शन- जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (प्रा.) लिमिटेड, 4697/3, 21-ए, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002

MAHD-1912 - प्राचीन एवं मध्य कालीन काव्य

विषय प्रतिपादन—

हिन्दी के प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य भाषा एवं अंतर्वस्तु दोनों ही दृष्टि से आधुनिक हिन्दी कविता की पृष्ठभूमि है। चाहे काव्य के प्रबंध रूप हों या मुक्तक या फिर प्रगतिशील स्वर हो या श्रृंगार या भक्ति के रूप ही क्यों न हों आधुनिक हिन्दी कविता उसी जमीन पर खड़ी है। आज भी जब हम अपनी प्रगतिशील परंपरा को ढूँढते हैं तो हमें पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की तरफ रुख करना पड़ता है।

विशेषकर इस युग में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ अपने चरम उत्कर्ष पर रही। रीतिकाल, विशेषकर कलात्मक अभिव्यंजना कौशल का उदाहरण प्रस्तुत करता है। इसका अध्ययन न सिर्फ परंपरा को समझने में मदद करता है अपितु उस युग की संस्कृति एवं सामाजिक स्थिति को भी। अतः वर्तमान साहित्य की पृष्ठभूमि को समझने हेतु प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य का अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य—

हिन्दी के प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य को पाठ्यक्रम में शामिल करने का मुख्य उद्देश्य अध्येताओं को आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल के प्रतिनिधि कवियों की रचनाओं से साक्षात्कार कराना है जिससे न सिर्फ उस युग के रचनागत वैशिष्ट्य को समझ सकें बल्कि उनके अंदर हिन्दी काव्य परंपरा की गहरी समझ भी विकसित हो।

इकाई -1	विद्यापति	- (सं.) शिवप्रसाद सिंह – लोकभारती प्रकाशन, प्रारंभिक 10 पद
इकाई -2	कबीर	- 5 दोहे + 5 पद
	जायसी	- कबीर ग्रंथावली, (सं.) श्याम सुंदर दास, राजकमल प्रकाशन
		- पद्मावत (नागमती वियोग खण्ड)
		जायसी ग्रंथावली – (सं.) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन
इकाई -3	सूरदास	- भ्रमरगीत सार, पद सं. - (9,23,34,38,39) कुल- 5
	तुलसीदास	10 पद भ्रमरगीत सार – (सं.) – रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन
		- रामचरितमानस (उत्तर काण्ड)
		(शुरूआत से 5 पद)
इकाई -4	बिहारी	- बिहारी रत्नाकर (दोहा सं – 1,20,32,35,38,52,70,73,94,121) - 10
		बिहारी रत्नाकर – (सं.) – जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन
	घनानंद	- घनानंद (पद सं. – 1,2,3,13,20,) घनानंद -(सं) – 5
		विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ,संजय बुक सेंटर, वाराणसी
इकाई -5	मीरा	- मीराबाई की पदावली (पद सं – 1,3,18,28,32) -5
		मीराबाई की पदावली – (सं.) परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग

संदर्भ ग्रंथ -

1. भक्ति काव्य का समाज दर्शन - प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दयानंद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002
2. जायसी - एक नयी दृष्टि - डॉ रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गाँधी रोड, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद-211 001.
3. कबीर - एक नयी दृष्टि - डॉ रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गाँधी रोड, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद-211 001.
4. कबीर -हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी 1 मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002.
5. लोकवादी तुलसीदास - विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, जी-17, जगतपुरी, दिल्ली-110051.
6. सूरदास - हरबंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, जी-17, जगतपुरी, दिल्ली-110 051.
7. त्रिवेणी - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - वाणी प्रकाशन, 21-ए, दयानंद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002.
8. कबीर मीमांसा - रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गाँधी रोड, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद-211 001.
9. सूरदास - ब्रजेश्वर वर्मा, नेशनल बुक ट्रस्ट, नेहरू भवन, 5, वसंत कुंज इंस्टीट्यूशनल एरिया, वसंत कुंज-II वसंत कुंज, नई दिल्ली-110 070.
10. भक्तिकाव्य और लोक जीवन - शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गाँधी रोड, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद-211001.
11. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य -मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दयानंद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002.
12. भक्ति काव्य यात्रा - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गाँधी मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद-211001.
13. तुलसी की साहित्य साधना - डॉ लल्लन राय, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दयानंद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110002.
14. कबीर एवं तुलसी की सामाजिक दृष्टि का तुलनात्मक अध्ययन - सरिता राय, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दयानंद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110002.
15. मीरा का काव्य - विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दयानंद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110002.
16. घनानंद संभावना और शिल्प - राजा बुद्धिराज, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दयानंद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110002.
17. बिहारी की सतसई - पद्म सिंह शर्मा, ज्ञानमंडल लिमिटेड, ए.जे. भवन, संत कबीर रोड, लोहटिया, वीराणसी-221001.
18. जायसी - विजयदेव नारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडमी, कमला नेहरू रोड, जार्ज टाउन, इलाहाबाद-211001.
19. घनानंद-काव्य और आलोचना - किशोरीलाल, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद

MAHD 1913 - भाषा विज्ञान

विषय प्रतिपादन

साहित्य अंततः एक भाषिक निर्मिति है। साहित्य के गहन अध्ययन में भाषा का ज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। भाषा विज्ञान भाषा की वस्तुनिष्ठता पर विशेष बल देता है ताकि अध्येता भाषा की संरचना के विभिन्न स्तरों एवं अंतः संबंधों के सूत्रों को स्पष्टता के साथ समझ सके। भाषा के प्रयोजनमूलक रूपों में भाषा विज्ञान का अध्ययन महत्वपूर्ण है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पत्र के अध्ययन का मुख्य उद्देश्य साहित्य के विद्यार्थियों में एक ऐसी भाषिक अंतर्दृष्टि विकसित करनी है जिससे वो साहित्यिक भाषा की संरचना को आसानी से समझ सकें।

इकाई -1 - भाषा और भाषा विज्ञान

- भाषा की परिभाषा एवं अभिलक्षण
- भाषा का विकास
- भाषा का आकृतिमूलक एवं पारिवारिक वर्गीकरण
- भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ
- भाषा विज्ञान का भारतीय एवं पाश्चात्य इतिहास
- भाषा विज्ञान की शाखाएँ ; व्यतिरेकी भाषा विज्ञान, सामाजिक भाषा विज्ञान

इकाई -2 - ध्वनि विज्ञान

- ध्वनि अध्ययन के आयाम (क) उच्चारणात्मक (ख) संवहन (ग) श्रवणात्मक
- ध्वनियों का वर्गीकरण (स्वर एवं व्यंजन)

इकाई -3 - स्वनिम विज्ञान

- स्वनिम की अवधारणा
- स्वनिम व संरचना
- स्वनिम के भेद

इकाई -4 - रूप विज्ञान

- रूपिम की अवधारणा: रूपिम और संरूप
- रूप परिवर्तन और उनके कारण
- शब्द एवं पद में अंतर

इकाई -5 - वाक्य विज्ञान

- वाक्य की परिभाषाएँ
- वाक्य के प्रकार

इकाई -6 - अर्थ विज्ञान

- अर्थ की व्युत्पत्ति
- शब्द एवं अर्थ का संबंध
- अर्थ परिवर्तन की दशाएँ
- अर्थ परिवर्तन के कारण

इकाई -7 - लिपि विज्ञान का परिचय

- लिपि का अर्थ
- लिपि के प्रकार

संदर्भ ग्रंथ

1. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, फ्लोर -20, 8,अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली –110 002.
2. भाषा विज्ञान की भूमिका - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-B, नेताजी सुभाष मार्ग,दरिमागंज, नई दिल्ली – 110 002.
3. भाषा विज्ञान: सैद्धांतिक चिंतन- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, जी – 17, जगतपुरी, दिल्ली – 110 051.
4. भाषा (अनुवाद) - लेयोनार्ड ब्लूमफील्ड (अनुवादक – विश्वनाथ प्रसाद), मोतीलाल बनारसी दास, 41, सं.ए. बंगलो रोड, जवाहर नगर, नई दिल्ली – 110 007.
5. भाषा और भाषिकी - डॉ. देवीशंकर द्विवेदी, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल पब्लिकेशन, ब्लॉक नं.-50, अनुपम प्लाजा, संमज पैलेस, सिविल लाईन्स, आगरा- 282 002.
6. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत - रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद-211 001
7. भाषा विज्ञान- राजमल बोरा, नेहा पब्लिकेशन एंड डिस्ट्रीब्यूटर, 4832/24, प्रहलाद लेन, 5-207, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली – 110 002.
8. आधुनिक भाषा विज्ञान - कृपाशंकर सिंह चतुर्भुज सहाय, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दमानंद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली- 110 002.
9. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, विशालाक्ष्मी भवन चौक, कबीर रोड, सी. के. 56-35, वाराणसी – 221 001.
10. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी, प्रकाशन, 21-ए, दयानंद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – 110 002.
11. भाषा और समाज- रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाषा मार्ग, नई दिल्ली – 110 002.
12. भारतीय भाषा विज्ञान - आचार्य किशोरी दास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दयानंद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली- 110 002.
13. Aspects of Applied Linguistics- D.P. Pattanayak, Asia Publishing House, E-113, Lajpat Nagar, Delhi -110 024.
14. A Course of Modern Linguistics- C-F. Hockett, 20, New Wharf Road, Kings Cross, Landon, NI 9RR, UK
15. Story of Language - C.L. Barber, Pan Macmillan Australia, P.O., Box 3520, Tuggerah, NSW 2259, Australia
16. Introduction of Theoretical Linguistics – John Lyons, Cambridge University Press, Shaftesburg Road, Cambridge, CB2 8RV, UK.
17. New Horizons in Linguistics – John Layons, Pelican Publishing Company 1000 Burmaster, St. Gretna, LA-70053, USA

MAHD 1914 - हिन्दी भाषा

विषय प्रतिपादन:-

अपने भौगोलिक विस्तार के कारण हिंदी भाषा के अंदर उसके विविध रूप व्याप्त हैं। हिंदी भाषा की यह विविधरूपता साहित्य में भी देखी जा सकती है। हिंदी साहित्य के अध्येताओं के लिए हिंदी भाषा की प्रकृति को समझने में इनका ऐतिहासिक – विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप एवं विविधरूपता का अध्ययन अपरिहार्य है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:-

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन एवं अध्यापन का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषी विद्यार्थियों के साथ-साथ हिंदीतर भाषी विद्यार्थियों में हिंदी की भाषिक प्रकृति की समझ विकसित करनी है। इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से अध्येता देवनागरी लिपि के वैशिष्ट्य, विकास एवं मानकीकरण से भी परिचित होंगे।

पाठ्यक्रम:-

इकाई:- 1

- हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ
- मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ
- आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण

इकाई:-2

- हिंदी का भौगोलिक विस्तार
- हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी हिंदी, बिहारी तथा पहाड़ी हिंदी और उनकी बोलियाँ, खड़ी बोली, ब्रज एवं अवधी की विशेषताएँ

इकाई:-3

- हिंदी का भाषिक स्वरूप
- हिंदी की स्वनिम व्यवस्था - खंड्य एवं खंड्येतर
- हिंदी शब्द रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, समास
- रूप रचना – लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप
- हिंदी वाक्य रचना – पदक्रम और अन्विति

इकाई:-4

- हिंदी के विविध रूप
- संपर्कभाषा
- राष्ट्रभाषा
- राजभाषा के रूप में हिंदी
- माध्यम भाषा
- संचार भाषा
- हिंदी की संवैधानिक स्थिति।

इकाई:-5

- देवनागरी लिपि
- देवनागरी लिपि का ऐतिहासिक विकासक्रम
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण।

संदर्भ ग्रंथ:-

1. हिंदी भाषा का इतिहास- धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी प्रकाशन, इलाहाबाद-211 001
2. हिंदी भाषा की संरचना- भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दयानन्द मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110002
3. हिंदी शब्दानुशासन- किशोरीदास वाजपेयी, ए. आई. टी. बी. एस. पब्लिशर्स, दिल्ली-110 051.
4. हिंदी, उर्दू और हिन्दुस्तानी- पद्मसिंह शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, महात्मा गाँधी मार्ग, सिविल लाइंस, इलाहाबाद,- 211 001.
5. अच्छी हिंदी- रामचन्द्र वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, महात्मा गाँधी मार्ग, सिविल लाइंस, इलाहाबाद,- 211 001.
6. भाषा विज्ञान हिंदी भाषा और लिपि- रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, महात्मा गाँधी मार्ग, सिविल लाइंस, इलाहाबाद,- 211 001.
7. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास- उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, महात्मा गाँधी मार्ग, सिविल लाइंस, इलाहाबाद,- 211 001.
8. राष्ट्र भाषा हिन्दी – राहुल सांकृत्यायन, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राईवेट लिमिटेड. 7/31, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली – 110 002.
9. हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधकृष्ण प्रकाशन प्राईवेट लिमिटेड. 7/31, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली – 110 002.
10. राष्ट्रभाषा हिंदी समस्याएँ और समाधान- देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, महात्मा गाँधी मार्ग, सिविल लाइंस, इलाहाबाद,- 211 001,
11. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग- नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, महात्मा गाँधी मार्ग, सिविल लाइंस, इलाहाबाद,- 211 001.
12. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन 1 बी. नेताजी सुभाष मार्ग, दरिया गंज, नई दिल्ली-110 002.
13. हिन्दी उद्भव विकास और रूप – डॉ. हरदेव बाहरी, किताब महल, फ्लोर-20, 8, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली – 110 002
14. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी- सुनीत कुमार चाटर्जी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली-110 002
15. बुद्धचरित की भूमिका (चितामणि – भाग-3) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, प्राईवेट लिमिटेड, 1 बी. नेताजी सुभाष मार्ग, दरिया गंज, नई दिल्ली-110 002.
16. हिन्दी की शब्द संपदा- विद्यानिवास मिश्र, राजकमल प्रकाशन, प्राईवेट लिमिटेड, 1 बी. नेताजी सुभाष मार्ग, दरिया गंज, नई दिल्ली-110 002.

SECOND SEMESTER/दूसरा सत्र

MAHD-1921	-	भारतीय साहित्य
MAHD-1922	-	प्रयोजनमूलक हिंदी
MAHD-1923	-	भारतीय काव्य शास्त्र
MAHD-1924	-	पाश्चात्य काव्य शास्त्र

MAHD-1921 - भारतीय साहित्य

विषय प्रतिपादन—

राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के लिए यह जरूरी है कि छात्रों में एक ऐसी चेतना तथा सोच का विकास हो कि वे बौद्धिक एवं भावनात्मक स्तर पर देश के नागरिकों को उनके प्रांतीय स्तर पर भी समझ सकें। चूंकि साहित्य मनुष्य को आंतरिक रूप से परिष्कृत करता है। अतः प्रांतीय एवं क्षेत्रीय भावनाओं को एक दूसरे से जोड़ने के लिए छात्रों को वहाँ के साहित्य से अवगत कराना पड़ेगा। संवेदनात्मक स्तर पर एक दूसरे से जुड़कर अध्येताओं में रचनात्मक गुणों में भी उत्कृष्टता आएगी। भारतीय साहित्य का अध्ययन, अध्येताओं को क्षेत्रीय संकीर्ण सोच से ऊपर उठाकर राष्ट्रीय बंधुत्व एवं भाईचारे जैसी विस्तृत जमीन भी प्रदान करेगा। अतः भारतीय साहित्य का अध्ययन न सिर्फ साहित्यिक बल्कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:-

हिंदी साहित्य का अत्यधिक विस्तार होने के कारण अन्य भारतीय साहित्य का हिंदी साहित्य पर प्रभाव पड़ना स्वभाविक ही है। इस प्रभाव से हिंदी साहित्य का न सिर्फ शिल्प बदला है बल्कि अंतर्वस्तु में भी बदलाव आया है। अतः पाठ्यक्रम में इस पत्र के अध्ययन से अध्येता में साहित्यिक समझ बढ़ेगी। दूसरी बात यह है कि अध्येता संपूर्ण भारतीय मानस की रचनात्मक गतिविधियों से भी वाकिफ हो सकेंगे।

इकाई – 1 भारतीय साहित्य का स्वरूप

- भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता
- भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
- भारतीय साहित्य में भारतीयता
- भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब
- भारतीय साहित्य का समाजशास्त्र
- हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

इकाई -2 भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय

- बंगला - असमी
- उड़िया - पंजाबी
- मराठी - कन्नड
- गुजराती - तमिल
- तेलुगु - मलयालम

इकाई -3 भारतीय भाषाओं से अनूदित साहित्य (कविता)

- दो पंखी – रविन्द्रनाथ टैगोर (बंगला)
- काला हांडी – जगन्नाथ प्रसाद दास (उड़िया)
- सब शत्रुभाव मिट जाएँगे – सुब्रह्मण्यम भारती (तमिल)
- विश्वशांति – उमाशंकर जोशी (गुजराती)
- डोना पौला – ओ. एन. वी. कुरूप (मलयालम)
- खतरनाक – पाश (पंजाबी)
- बुढ़ापा- नामदेव ताराचंदाणी (सिंधी)
- कदम आगे बढ़ाकर आओ नव भारत नारी मणियो- श्रीश्री (तेलुगु)
- धरती का धर्म (कविता) कुसमाग्रज (मराठी)

इकाई -4 भारतीय भाषाओं से अनूदित उपन्यास की व्याख्या एवं आलोचना

- छह बीघा जमीन- फकीर मोहन सेनापति (उड़िया) उपन्यास

इकाई -5 भारतीय भाषाओं से अनूदित नाटक

- हयवदन- गिरीश कर्नाड (कन्नड)

संदर्भ ग्रंथ:-

1. छह बीघा जमीन- फकीर मोहन सेनापति, साहित्य अकादमी, 35, रवीन्द्र भवन, फिरोजशाह रोड, रवीन्द्र नगर, नई दिल्ली-110001
2. गोरा - रवीन्द्रनाथ टैगोर, विश्व बुक प्राइवेट लिमिटेड, एम-12, कोन्नूर घट सर्कस, कोन्नूर प्लेस, नई दिल्ली – 110001
3. हयवदन- गिरीश कर्नाड, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली-110002
4. आज का भारतीय साहित्य – एस. राधाकृष्ण, साहित्य अकादमी, 35, रवीन्द्र भवन, फिरोजशाह रोड, रवीन्द्रनगर, नई दिल्ली – 110001
5. बंगला साहित्य का इतिहास- सुकुमार सेन, साहित्य अकादमी, 35, रवीन्द्र भवन, फिरोजशाह रोड, रवीन्द्रनगर, नई दिल्ली – 110001
6. कन्नड़ साहित्य का इतिहास- एस. मुगली, साहित्य अकादमी, 35, रवीन्द्र भवन, फिरोजशाह रोड, रवीन्द्रनगर, नई दिल्ली – 110001
7. तमिल साहित्य का इतिहास मु वरदराजन, साहित्य अकादमी, 35, रवीन्द्र भवन, फिरोजशाह रोड, रवीन्द्रनगर, नई दिल्ली – 110001
8. मलयालम साहित्य का इतिहास- पी. के. परमेश्वर नायर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली-110001
9. भारतीय साहित्य का इतिहास की समस्याएँ- रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-110002
10. चयनम्- अरुण प्रकाश (सं), साहित्य अकादमी, 35, रवीन्द्र भवन, फिरोजशाह रोड, रवीन्द्रनगर, नई दिल्ली – 110001.
11. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, 1- वि, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002
12. भारतीय साहित्य- के सच्चिदानंदन - साहित्य अकादमी, 35, रवीन्द्र भवन, फिरोजशाह रोड, रवीन्द्रनगर, नई दिल्ली – 110001
13. भारतीय पुनर्जागरण के सामाजिक प्रभाव- विमला आचार्या, के एस पच्चौरी प्रकाशन, 8यडी, ब्लॉक-X, इन्द्रापुरी, लोनी गाजियाबाद – 201102
14. भारतीय साहित्य में रामकथा – कुमार विमल (सं), राजकमल प्रकाशन, 1- वि, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002
15. भारतीय साहित्य (संपादित) - साहित्य अकादमी, 35, रवीन्द्र भवन, फिरोजशाह रोड, रवीन्द्रनगर, नई दिल्ली – 110001
16. भारतीय साहित्य, डॉ. लक्ष्मी कांत पांडेय, कानपुर,
17. भारतीय साहित्य की पहचान- सं. सियाराम तिवारी, वाणी प्रकाशन, 4695, 21 ए, दरियागंज, नयी दिल्ली – 110002, ISBN: 978-93-5072-992-2

MAHD-1922 - प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रस्तावना –

आज के सिमटते विश्व में भाषा की प्रकृति बदल रही है। हिन्दी का क्षेत्र भी विस्तृत हो रहा है। अतः कामकाजी हिन्दी एवं उसकी अनिवार्यता असंदिग्ध है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत छात्र प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूपों से परिचित होंगे और उसके प्रयोग व अनुवाद की कुशलता भी हासिल करेंगे।

प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध आयाम

राजभाषा के प्रयोग की व्यावहारिक कुशलता : टिप्पण, आलेखन
परिभाषिक शब्दावली –स्वरूप एवं महत्व, परिभाषिक शब्दावली-निर्माण के सिद्धान्त ; ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की परिभाषिक शब्दावली
प्रयोजनमूलक हिंदी के क्षेत्र में कंप्यूटर के अनुप्रयोग

अनुवाद – सिद्धान्त एवं व्यवहार

अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि
हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका
कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद
जनसंचार के माध्यमों का अनुवाद
वैचारिक साहित्य का अनुवाद
वाणिज्यिक अनुवाद
वैज्ञानिक तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद
विधि साहित्य की हिन्दी और अनुवाद

व्यवहारिक अनुवाद : अभ्यास

कार्यालयीन अनुवाद: कार्यलयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली । प्रशासनिक शब्दावली।
प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि
पत्रों के अनुवाद
पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों के अनुवाद
बैंक साहित्य के अनुवाद का अभ्यास
विधि साहित्य के अनुवाद का अभ्यास
साहित्यिक अनुवाद के सिद्धान्त एवं व्यवहार- कविता, कहानी, नाटक
सारानुवाद
दुभाषिया प्रविधि

संदर्भ ग्रंथ –

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. रामप्रकाश और दिनेश गुप्त
2. प्रशासनिक हिन्दी- डॉ. रामप्रकाश और दिनेश गुप्त
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे
3. हिंदी में सरकारी कामकाज – डॉ. रामविनायक सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान सी २१/३०, पिशाचमोचन, वारणासी
4. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोक भारती, इलाहाबाद
5. कार्यालयीन हिन्दी – कार्मिक एवं प्रशासनिक विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार
6. हिंदी आलेख और टिप्पणी – प्रो. विराज
7. अनुवाद कला – डॉ. विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
8. अनुवाद कला सिद्धान्त और प्रयोग – कैलेशचन्द्र भाटिया, तक्ष्यशिला प्रकाशन, दिल्ली
9. अनुवाद सिद्धान्त और समस्याएं – रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्णाकुमार गोखरी – आप्रकाशन, दिल्ली
10. कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं – भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी तथा गुलाटी.
11. अनुवाद – अवधारणा और अनुप्रयोग – चंद्रभानु रावत और दिलीपसिंह-द.भा. हिन्दी प्रचारसभा, चेन्नै
12. अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान – सं. श्रीवास्तव तिवारी और गोस्वामी-आलेख प्रकाशन, दिल्ली
13. व्यतिरेकी – भाषाविज्ञान – डॉ. भोलनाथ तिवारी आलेख प्रकाशन, दिल्ली
14. व्यतिरेकी भाषाविज्ञान – डॉ. विजयराध्व रेड्डी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
15. अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलनाथ तिवारी, शब्दकार प्रसकाशन, गुरु अंगद नगर, दिल्ली
16. अनुवाद स्वरूप और आयाम – संपा. डॉ. त्रीभुवन राय, अनिल प्रकाशन, आलोपीबाग काकोनी, इलाहाबाद

MAHD-1923 - भारतीय काव्य शास्त्र

विषय प्रतिपादन

जिस प्रकार पहले भाषा बनती है पुनः उसके व्याकरण तैयार होते हैं उसी प्रकार पहले रचना की निर्मिति होती है फिर उसका शास्त्र तैयार किया जाता है। अतः रचना के वैशिष्ट्य एवं मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन का ज्ञान जरूरी है। सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश के साथ जैसे-जैसे रचना बदली है वैसे- वैसे उसके मूल्यांकन के दृष्टिकोण में भी परिवर्तन आता गया। अतः साहित्यिक परंपरा के आस्वादन हेतु भी भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन की परंपरा का अध्ययन समीचीन है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन एवं अध्यापन का मुख्य उद्देश्य अध्येताओं में आवश्यक दृष्टिकोण विकसित करना है जिससे वो हिन्दी एवं अन्य भारतीय साहित्य की मूल संवेदना एवं मर्म तक पहुँच सकें। हिन्दी एवं अन्य भारतीय साहित्य के सैद्धांतिक विकास का मूल उत्स संस्कृत काव्यशास्त्र में ही निहित है अतः उसका अध्ययन नितांत आवश्यक है। इस प्रश्न पत्र में हिन्दी काव्यशास्त्र के साथ ही साहित्यालोचन भी समाहित है जिसका उद्देश्य अध्येताओं को साहित्य के मूल्यांकन की अध्ययन प्रविधि से भी जोड़ना है।

इकाई 1

संस्कृत काव्यशास्त्र का सांक्षिप्त इतिहास

इकाई 2

काव्य की परिभाषा, काव्यलक्षण, काव्य हेतु, काव्यप्रयोजन
काव्य के प्रकार (प्रबंध काव्य, मुक्तक काव्य, महाकाव्य एवं खण्डकाव्य)

इकाई 3

रस सिद्धांत – रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, सहृदय की अवधारणा, साधारणीकरण।
अलंकार सिद्धांत – मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण, काव्य में अलंकार का महत्व, अलंकार और अलंकार्य।
ध्वनि सिद्धांत – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धांत का महत्व।

इकाई 4

रीति सिद्धांत – रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण,
वक्रोक्ति सिद्धांत – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
औचित्य सिद्धांत – औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्व, हिन्दी कवि आचार्यों के काव्य शास्त्रीय चिंतन की परंपरा।

इकाई 5

आधुनिक हिन्दी आलोचना और प्रमुख आलोचक
रामचन्द्र शुक्ल- रस-दृष्टि तथा लोकमंगल की अवधारणा
नन्द दुलारे वाजपेयी- सौष्ठववादी आलोचना
रामविलास शर्मा – मार्क्सवादी समीक्षा।

संदर्भ ग्रंथ –

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा, -डॉ. नगेन्द्र (स.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 2/35, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली – 110 002.
2. नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – 110 002.
3. भारतीय एवं राश्व्रात्य काव्य सिद्धांत - गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद-211 001.
4. काव्य शास्त्र, -डॉ. भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, सी-के-56-35, विशालाक्षी भवन, चौक, कबीर रोड, वाराणसी-221 001.
5. संस्कृत आलोचना-बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान मैदान, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ-226 010.
6. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज-राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 8, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – 110 002.
7. रस सिद्धांत-डॉ. नगेन्द्र (स.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 2/35, अंसारी रोड, दरियादंज, दिल्ली – 110 002.
8. रस मीमांसा-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (स.) विश्वाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा काशी, विशेस्वर गंज रोड पोस्ट के सामने, वाराणसी-221 001.
9. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद-211 001.
10. भिखारीदास कृत काव्यनिर्णय -वेदप्रकाश(स.) – संजय प्रकाशन, 4378 4 बी, 209, जै एम डी हउस, मुरारी लाल गली, दरियादंज, दिल्ली – 110 002.
11. समकालीन कविता में छंद- सच्चिदानंद वात्स्यायन अज्ञेय(स.) नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 2 35, अंसारी रोड, दरियादंज, दिल्ली – 110 002.
12. औचित्य विमर्श-राममूर्ति त्रिपाठी, भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास-पी.वी.काणे, (अनु.) डॉ. इलाचन्द्र शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, 41. यू.ए. बंगलो रोड, जवाहरनगर, नई दिल्ली –110 007
14. भारत एवं भारतीय नाट्यकला-सुरेन्द्रनाथ दीक्षित, मोतीलाल बनारसी दास, 41. यू.ए. बंगलो रोड, जवाहरनगर, नई दिल्ली –110 007
15. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास-एस.के.डे. बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, आचार्य शिवपूजन सहाय पथ, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, कैम्पस, शिक्षा भवन, सैदपूर, पटना – 800 004.
16. भारतीय साहित्य शास्त्र-गणेश त्र्यम्बक देशपांडे, पापुलर बुक डिपो, राजाराम मोहन राय रोड. गिरगौन मुंबई-400 004.
17. भारतीय काव्यशास्त्र -उदयभानु सिंह, राजेश प्रकाशन, जी -62, गली नं. -5, अर्जुन नगर, दिल्ली-110 051.
18. भारतीय काव्यशास्त्र - सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, नं.-3611, श्याम भवन, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली-110 002.
19. भारतीय काव्यशास्त्र- राजवंश सहाय हीरा बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, आचार्य शिवपूजन सहाय पथ, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् कैम्पस, शिक्षाभवन, सैदपूर- पटना – 800 004.
20. सहृदय-विद्यनिवास मिश्र, साहित्य अकादमी, रवीन्द्रभवन, 35, फिरोजशाह रोड, नई, दिल्ली- 110 001.
21. भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परंपरा- राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, सी.के.-56-35, विशालाक्षी भवन, चौक, कबीर रोड, वाराणसी-221 001
22. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द- बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दयानन्द मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002.
23. हिंदी आलोचना की परिभाषिक शब्दावली- डॉ अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110 002.

24. हिंदी आलोचना का दूसरा पाठ- डॉ निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110 002.
25. हिंदी आलोचना का विकास- नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110 002.
26. हिंदी आलोचना- विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110 002.
27. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी- निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 7/31, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002
28. साहित्यालोचन- डॉ श्यामसुंदर दास, लोकभारती प्रकाशन, 15-एस महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद-211 001.
29. Outlines of Indian Philosophy- M.Hiriyanna, Motilal Banarasidas Publishers Private limited, 41 Bungalow Road, Block VA, Kamla Nagar, near Mc Donald's, Delhi-110 007.
30. Comparative Aesthetics Indian Aesthetics- Volume-1 – Prof.Kanti Chandra Pandey, Chowkdhamba Sanskrit Series Office, 37/99, Gopal Lane, near Galghar (Maidagin), Ghasi Tola, Varanasi-221 001.

MAHD-1924 - पाश्चात्य काव्य शास्त्र

विषय प्रतिपादन –

आधुनिक युग की शुरुआत के साथ ही भारतवासियों का संपर्क काफी तेजी से शेष दुनिया से हुआ। इससे सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में काफी बदलाव आए। इन बदलावों के प्रभाव से साहित्य भी अछूता नहीं है। नवजागरण के समय से वर्तमान तक के साहित्य के अध्ययन के दौरान हम पाते हैं कि यह पाश्चात्य चिंतन से प्रेरित एवं प्रभावित है। अतः आधुनिक साहित्य की गहरी समझ के लिए पाश्चात्य काव्यशास्त्र की जानकारी समीचीन है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

इस पत्र को पाठ्यक्रम में शामिल करने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में एक ऐसी समझ विकसित करनी है जिससे वो आधुनिक साहित्य को आसानी से समझ सकें। चूंकि वर्तमान समय में तुलनात्मक साहित्य भी एक विषय के रूप में स्थापित हो चुका है अतः पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्यिक सिद्धांतों के अध्ययन का महत्व और अधिक बढ़ जाता है।

- | | | |
|---------|--|---|
| इकाई -1 | प्लेटो
अरस्तू | -काव्य सिद्धांत
-त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धांत |
| इकाई -2 | लोनचाइनस
ड्राइडन | -उदात्त की अवधारणा
-काव्य सिद्धांत |
| इकाई -3 | वर्डसवर्थ-काव्यभाषा का सिद्धांत
कालरिज | - कल्पना सिद्धांत और ललित कल्पना (कल्पना और फैंटसी) |
| इकाई -4 | मैथ्यू आर्नल्ड
टी.एस. इलियट-निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ सह – संबंधी, परंपरा की अवधारणा | -आलोचना का स्वरूप एवं प्रकार्य |
| इकाई -5 | प्रमुख वाद | -अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, अति यथार्थवाद, प्रतीकवाद, बिंबवाद, कलावाद, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद, आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकतावाद, नव इतिहासवाद, निम्नवर्गीयविमर्श, संरचनावाद एवं उत्तर संरचनावाद, रूसीरूपवाद एवं नयी समीक्षा। |
| इकाई -6 | साहित्य की प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ – मिथकीय, समाजशास्त्रीय, मनोविक्षेपणवादी, मार्क्सवादी, ऐतिहासिक | |

आलोचना की अवधारणाएँ – बिडम्बना (आयरनी), अजनबीपन (एलियनेशन), विसंगति (एब्सर्ड), अन्तर्विरोध (पैराडॉक्स), विखण्डन (डीकन्स्ट्रक्शन)

संदर्भ ग्रंथ

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास- डॉ तारकनाथ बाली, किताबघर प्रकाशन, 24/4855, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वाद- डॉ भगिरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, विशालाक्ष्मी भवन, चौक, कबीर रोड, सी.के.56-35, वाराणसी-221001
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 2/35, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली-110002.
4. साहित्य सिद्धांत - रेने वेलेक, आस्टिन वारेन, लोकभारती प्रकाशन, प्रथम तल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गाँधी रोड, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद-211001.
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा-डॉ सावित्री सिन्हा (सं) हिंदी विभाग प्रकाशन, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007.
6. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्यकाव्यशास्त्र- गोपीचंद नारंग, साहित्य अकादमी, 35, रवीन्द्र भवन, फिरोज़शाह रोड, रवीन्द्र नगर, नई दिल्ली-110001.
7. पाश्चात्य काव्य-चिंतन-डॉ शोभाकान्त मिश्र, अनुपम प्रकाशन, पटना कॉलेज के सामने, अशोक राजपथ रोड, पटना-800004.
8. अरस्तू का काव्यशास्त्र - डॉ नगेन्द्र (अनु) – भारती भंडार प्रकाशन, इलाहाबादप्लेटो का काव्यचिंतन - निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दयानंद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110002.
9. पाश्चात्य काव्य चिंतन- निर्मला जैन, शधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, जी-17,
10. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन-सत्यदेव चौधरी, डॉ शान्तिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, ए-23, कृष्णनगर राधेयपुरी, दिल्ली-110051.
11. कला और साहित्य चिंतन- कार्ल मार्क्स (सं.-नामवर सिंह), राजकमल, प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110002.
12. मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन: इतिहास तथा सिद्धांत- शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दयानंद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110002.
13. विनम्र और यथार्थ-क्रिस्टोफर कॉडवेट, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110002.
14. काव्यशास्त्र की पश्चिमी परंपरा-निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, 21-एस दयानंद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110002.
15. निम्नवर्गीय प्रसंग – ज्ञानेन्द्र पांडेय, रणजीतगुहा, पार्थ चरजी
16. Comparative Aesthetics- Western Aesthetics – Volume-2 – Prof.Kanti Chandra Pandey, Chowkdhamba Sanskrit Series Office, 37/99, Gopal Lane, near Galghar (Maidagin), Ghasi Tola, Varanasi-221001
17. Literary Criticism from Plato to the Present an introduction- M.A.R.Habib, Wiley-Blackwell Publication, 9600 Garsington Rd, Oxford OX22DQ, UK.
18. The use of poetry and use of criticism - T.S.Eliot – Harvard University Press, Harvard University, 79 Garden St, Cambridge, MA 02138, USA.
19. Understanding poetry- (Ed) – Cleanth Brooks and Robert Penn Warren, Holt Rinehart and Winston Publisher, 10801 No Mopac Expy. Building, 3 Austin Tx 78759-5415.
20. Principles of Literary Criticism - I.A. Richards, Routledge Publication, 109 Basement, Prakash Mahal, Ansari Road, Near Ansari Road Gurudwara, Daryagand, Delhi-110002.
21. Selected Essays- T.S. Eliot – Faber and Faber Ltd. Bloomsbury House 79-77 Great Russell street, London W.C B3 DA, United Kingdom

THIRD SEMESTER/तीसरा सत्र

MAHD-1931	-	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
MAHD-1932	-	कथा साहित्य
MAHD-1933	-	कथेतर साहित्य
MAHD-1934	-	आधुनिक कविता

MAHD-1931- हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

विषय प्रतिपादन

साहित्य का इतिहास न सिर्फ रचनाओं का क्रमिक इतिहास होता है बल्कि संवेदनाओं एवं सामाजिक मूल्यों में हुए परिवर्तनों का भी इतिहास होता है। कोई भी रचना न तो शून्य में रची जा सकती है और न तो परंपरा से कटकर। अतः परंपरा का ज्ञान जितना रचना के लिए महत्वपूर्ण है उतना ही उसकी आलोचना और उसके मूल्यांकन के लिए भी। आधुनिक काल में यांत्रिकता बढ़ने के साथ ही सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों में भी काफी तेजी से परिवर्तन हुए। आधुनिक काल का साहित्य इन परिवर्तनों का प्रतिनिधित्व भी काफी सूक्ष्मता से करता है। इन परिवर्तनों को समझने के लिए हिंदी साहित्य के आधुनिक काल के इतिहास का ज्ञान होना जरूरी है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पाठ्यक्रम में इस प्रश्न पत्र को शामिल करने का उद्देश्य आधुनिक काल के हिंदी साहित्य के विकास-क्रम को भली-भांति समझना है। हम देख सकते हैं कि परंपरागत साहित्यिक विधाओं के साथ-साथ आधुनिक काल में कई नई विधाओं का भी सूत्रपात हुआ। इनका सूत्रपात निश्चित ही अपने युग की जरूरत थी। अतः उनके सूत्रपात का कारण भी इसी युग में तलाश करने की जरूरत है अतः यह तलाश आधुनिक काल के साहित्य के इतिहास का अध्ययन किये बिना मुश्किल ही नहीं असंभव है। दूसरी बात यह की इस प्रश्न पत्र के द्वारा दक्खिनी हिंदी एवं उर्दू साहित्य का भी अध्ययन किया जाना है। क्योंकि आधुनिक हिंदी साहित्य के विकास में इनका भी महत्वपूर्ण योगदान है।

इकाई -1 - आधुनिक काल की पृष्ठभूमि :

- राजनैतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक-भाषाई परिस्थितियाँ
- आधुनिकता एवं समकालीनता की अवधारणा
- नवजागरण एवं लोकजागरण
- आधुनिक काल की समय सीमा, नामकरण एवं उपविभाजन

इकाई -2 - आधुनिक काव्य के विविध सोपान-प्रमुख प्रवृत्तियाँ, मुख्य रचनाकार एवं रचनाएँ

- भारतेंदु युग -द्विवेदी युग
- छायावाद -छायावादोत्तर युग
- प्रगतिवाद -प्रयोगवाद
- नई कविता -जनवादी कविता
- समकालीन हिंदी कविता) दलित, आदिवासी एवं स्त्रीवादी कविताएँ(
- नवगीत

इकाई -3 - हिंदी गद्य का विकास – इसाई मिशनरियाँ, फोर्ट विलियम कॉलेज तथा आर्य समाज की भूमिका गद्य साहित्य की विधाओं का उद्भव एवं विकास: प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ

1. हिंदी कहानी
2. हिंदी उपन्यास
3. हिंदी नाटक एवं एकांकी
4. हिंदी निबंध और आलोचना

इकाई -4 - हिंदी गद्य साहित्य की अन्य विधाएँ: उद्भव एवं विकास

- रेखाचित्र -संस्मरण
- जीवनी -आत्मकथा
- साक्षात्कार -यात्रावृत्तांत
- रिपोर्ताज

इकाई -5 - दक्खिनी हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय

- उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय
- हिंदीतर क्षेत्र एवं प्रवासी हिंदी भाषा और साहित्य

संदर्भ ग्रंथ –

1. कहानी नयी कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110002
2. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, बुयूबोक 24. कॉम, 726 ओल्ड कातरा, अलाहाबाद, उत्तर प्रदेश -211002
3. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110002
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110002
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह, लोक भारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरवारी बिल्डिंग, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद-1
6. आधुनिक हिंदी साहित्य – सच्चितानंद हीरानंद वात्सायन अज्ञेय, सस्ता साहित्य मंडल, एन-77, प्रथम ताल, कुरुघट सकर्ष, नई दिल्ली-110001
7. छायावाद- नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110002
8. हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ- डॉ. शिवकुमार सिंह, आर. जी. पब्लिकेशन, जसवंत रोड, पानबाजार, गोवाहाटी-781 001
9. हिंदी साहित्य का इतिहास- रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, 1715/21, दयानंद मार्ग, दरियागंज. नई दिल्ली-110002
10. हिंदी साहित्य एवं संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, दरवारी बिल्डिंग, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद-1
11. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 7/31, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002
12. हिंदी साहित्य इतिहास का आधा इतिहास, डॉ सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, 18, इंस्टीट्यूशनल एशिया, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003
13. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास- डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड, 3-6-752 हिमायतनगर, हैदराबाद-500029
14. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- डॉ. रामकुमार वर्मा, लोक भारती प्रकाशन, दरवारी बिल्डिंग, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद-1
15. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र (सं.), मयूर पेपरबैक्स, एस.आर.बी. 43 ए, शिप्रा रिवेरा, ज्ञानखंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश-201 014
16. हिंदी साहित्य संक्षिप्त इतिहास – शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002
17. मोहन अवस्थी - उर्दू साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन पहली मंजिल, दरवारी बिल्डिंग, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद-1

MAHD-1932- कथा साहित्य

विषय प्रतिपादन-

आधुनिककाल में गद्य साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह आधुनिक मनुष्य की संवेदनाओं की अभिव्यक्ति का सफल माध्यम बनकर उभरा है। मनुष्य के राग-विराग, तर्क-वितर्क और चिन्तन-मनन को गद्य साहित्य में काफी सरलता से अभिव्यक्त किया जा सकता है। इसका कारण यह है कि इसमें वैचारिक फैलाव की संभावना होती है। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इस तथ्य को मजबूती के साथ प्रमाणित करता है कि प्रौढ़ मन-मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

पाठ्यक्रम में इस पत्र को शामिल किये जाने का मुख्य उद्देश्य अध्येताओं को मानव जीवन के विविध पक्षों से साक्षात्कार कराना है, क्योंकि आधुनिक कथा साहित्य ने मानव जीवन के लगभग सभी पक्षों को बहुत ही बारीकी से समेटा है।

इकाई:- 1

प्रेमचंद युगीन कथा साहित्य

गोदान – प्रेमचंद

इकाई:-2

प्रेमचंदोत्तर कथा साहित्य

मैला आंचल – फणीश्वर नाथ रेणु

इकाई:-3

समकालीन कथा साहित्य

1. जय शंकर प्रसाद- गुण्डा
2. यशपाल – ज्ञानदान
3. कमलेश्वर – राजा निरबंसिया
4. संजीव – प्रेतमुक्ति
5. असगर वजाहर – तमाशे में डूबा हुआ देश
6. जैनेंद्र – दो चिड़ियाँ

इकाई:-4

महिला कथाकारों की कहानियाँ

- | | |
|----------------------------------|----------------------------|
| 1. सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती | 4. हरी बिंदी – मृदुला गर्ग |
| 2. मछलियाँ – उषा प्रियंवदा | 5. सिलिया – सुशीला टाकभौरे |
| 3. मैं हार गयी – मन्नु भंडारी | |

इकाई -5

1. कथा साहित्य का उदय और विकास
2. यथार्थ तथा मध्य वर्ग का उदय
3. कथा साहित्य में नायक और नायिका की अवधारणा एवं बदलते स्वरूप

संदर्भ ग्रन्थ :

1. कहानी: नई कहानी –नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1 बी. नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली –110002
2. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1 बी. नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
3. कथा समय में तीन हम सफर – निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1 बी. नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
4. कहानी: समकालीन चुनौतियाँ – शंभु गुप्त, वाणी प्रकाशन, 21-ए , दयानंद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
5. हिंदी कहानी का इतिहास – डॉ. लाल चन्द गुप्त‘मंगल’, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 2/38, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
6. प्रेमचंद – डॉ. सत्येन्द्र(सं) - राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1 बी. नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
7. गोदान – (सं) राजेश्वर गौरी - राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1 बी. नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
8. हिंदी कहानी का इतिहास – (भाग-1,2)– गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1 बी. नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
9. उन्नीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य – गोपाल राय/ सत्यकेतु सांकृत वाणी प्रकाशन, 21-ए , दयानंद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
10. हिंदी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1 बी. नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
11. एक दुनिया समानांतर – राजेद्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 2/38, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002

MAHD-1933 - कथेतर साहित्य

विषय प्रतिपादन

आधुनिक काल में गद्य साहित्य का अभूतपूर्व विकास हुआ। यह विकास कहानी एवं उपन्यास के अलावा भी विभिन्न विधाओं में हुआ है। इनके इस विकास का कारण इन विधाओं के माध्यम से तात्कालिक परिस्थितियाँ ही हैं। वास्तविकता यह है कि जब रचनाकार यह महसूस करने लगता है कि वह अपनी भावनाओं एवं सामयिक यथार्थ को किसी खास में स्पष्टता के साथ अभिव्यक्त नहीं कर पा रहा है तब वह अपनी विधा बदलता है। खुद को अभिव्यक्त करने की छोटपटाहट कई नई गद्य विधाओं के जन्म का कारण बनी। आज के मनुष्य को समझने के लिए गद्य साहित्य के विविध रूप जैसे – नाटक, निबंध, रिपोर्ताज, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा आदि को समझना बेहद आवश्यक है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

पाठ्यक्रम में इस पत्र को शामिल करने का उद्देश्य छात्रों में कहानी तथा उपन्यास से इतर हिंदी के गद्य साहित्य के विषय में गहरी समझ बनानी है। कथेतर गद्य साहित्य में आधुनिक मनुष्य की जटिल जीवन शैली के अनेक बिंब उभरे हैं। इनका अध्ययन आधुनिक मनुष्य को समझने में भी मदद करेगा।

- | | |
|----------|---|
| इकाई – 1 | - नाटक
जयशंकर प्रसाद – ध्रुवस्वामिनी |
| इकाई – 2 | - निबंध
रामचंद्र शुक्ल – कविता क्या है ?
हजारीप्रसाद द्विवेदी – कुटज
कुबेरनाथ राय – रस आखेटक
विद्यानिवास मिश्र – कटहल |
| इकाई – 3 | - व्यंग्य
हरिशंकर परसाई – सदाचार का ताबीज |
| इकाई – 4 | - आत्मकथा
तुलसीराम – मूर्दहिया |
| इकाई – 5 | - संस्मरण
महादेवी वर्मा – पथ के साथी (मैथिलीशरण गुप्त, सुभद्राकुमारी चौहान, निराला एवं पंत) |
| इकाई – 6 | - जीवनी
विष्णु प्रभाकर – आवारा मसीहा |
| इकाई – 7 | - यात्रा वृत्तांत
निर्मल वर्मा – चीड़ों पर चाँदनी (चीड़ों पर चाँदनी संग्रह से मात्र एक 'चीड़ों पर चाँदनी') |
| इकाई – 8 | - रिपोर्ताज
रांगेय राघव – तूफानों के बीच (प्रथम पाँच भाग) |

संदर्भ ग्रन्थ :-

1. हिंदी गद्य साहित्य विन्यास एवं विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद – 211001
2. महादेवी वर्मा – गंगा प्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद – 211001
3. महादेवी – (सं) इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1 बी. नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
4. नटरंग (पत्रिका) – मोहन राकेश पर केन्द्रित अंक
5. हिंदी नाटक एवं रंगमंच – (सं) नेमिचंद्र जैन, मैकमिलन प्रकाशन 21, पट्टूलोस, माउंड रोड, चेन्नई
6. मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद – 211001
7. नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1 बी. नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
8. नाट्य शास्त्र – रेवा प्रसाद द्विवेदी, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, राष्ट्रपति निवास, चौड़ा मैदान, शिमला – 171004
9. प्रसाद के नाटक – सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना कॉलेज के सामने, अशोक राजपथ मार्ग, पटना – 800004
10. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, सी-के-56-35, विशालाक्षी भवन, चौक, कबीर रोड, वाराणसी – 221001
11. गद्य की पहचान – अरुण प्रकाश, अंतिका प्रकाशन, C-56, यू.जी.एफ 4, शालीमार गार्डन, गाजियाबाद – 201005

राजेश जोशी

संदर्भ ग्रंथ-

1. आधुनिक साहित्य – मूल्य और मूल्यांकन – निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110 002
2. छायावाद की प्रासंगिकता-रमेशचंद्र शाह, वाग्देवी प्रकाशन, ITI रोड, सरदार पटेल कॉलोनी, बीकानेर-334 001
3. महादेवी-दूधनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110 002
4. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त-रामधारी सिंह दिनकर, लोक भारती प्रकाशन, पहली मंजिल दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद- 211 001
5. निराला की कविताएँ-(सं.) परामानंद श्रीवास्तव, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
6. निराला की साहित्य साधना- रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110 002
7. प्रसाद का काव्य- प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, जी-17, जगतपुरी, दिल्ली-110 051
8. कामायनी पुनर्मूल्यांकन- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद- 211 001
9. कामायनी एक पुनर्विचार – गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110 002
10. प्रसाद और कामायनी:मूल्यांकन का प्रश्न-डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 2/35, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली-110 002
11. साकेत एक अध्ययन- डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 2/35, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली-110002
12. निराला और मुक्तिबोध: चार लम्बी कविताएँ- नंदकिशोर नवल, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, जी-17, जगतपुरी, दिल्ली-110 005.
13. अर्वशी उपनन्धि और सीमा, विजयेंद्रनारायण सिंह, परिमल प्रकाशन, 27/28, शक्ति नगर, दिल्ली – 110 007.

FORTH SEMESTER/चौथा सत्र

MAHD-1941	- अनुवाद विज्ञान
MAHD-1942	- भाषा प्रौद्योगिकी
MAHD-1943	- नई मीडिया एवं हिंदी
MAHD-1944	- हिंदीतर प्रदेश : हिंदी भाषा एवं साहित्य

MAHD-1941 - अनुवाद विज्ञान

विषय प्रतिपादन – भाषा मनुष्य द्वारा स्वीकृत और संप्रेषण व्यवस्था है। अनुवाद और भाषा विज्ञान के संबंधों को रेखांकित करते समय यह ध्यान देना आवश्यक है कि भाषा विज्ञान से अनुवाद का संबंध मूलतः अनुवाद सिद्धांत से स्थापित होता है। अनुवाद मूलतः व्यवहार है और अभ्यास से ही साबित होता है। अनुवाद की विभिन्न परिभाषाओं के आधार पर विभिन्न सिद्धांत प्रतिपादित हुए हैं। निष्कर्ष के तौर पर यही कहा जाता है कि अनुवाद एक सतत अभ्यास की प्रक्रिया है। अभ्यास के साथ-साथ अनुवाद साधन भी है। इसमें जो जितना अभ्यासरत होगा वह उतना ही अधिक सफल एवं कुशल अनुवादक होगा। इन सिद्धांतों की सार्थकता सिद्ध करने के लिए अनुवादक को सुधी पाठक होना चाहिए।

इकाई -1-अनुवाद शब्द की व्युत्पत्ति

अर्थ एवं इतिहास
अनुवाद की परिभाषाएँ
अनुवाद का महत्व

इकाई -2 -अनुवाद कला है या विज्ञान ?
अनुवाद के प्रकार

इकाई- 3 -अनुवाद के सामान्य सिद्धांत एवं नियम
श्रेष्ठ अनुवादक के लक्षण एवं योग्यताएँ
मशीनी अनुवाद का परिप्रेक्ष्य

इकाई -4 -साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ
काव्यानुवाद
नाट्यानुवाद
कथानुवाद

इकाई -5 -साहित्य के अनुवाद में शैली विषयक समस्याएँ
(मुहावरों और लोकोक्तियों के अनुवाद की समस्याएँ, अलंकारों के अनुवाद की समस्याएँ
विज्ञान की पुस्तकों के अनुवाद की समस्याएँ
उपन्यास के अनुवाद की समस्याएँ)

इकाई -6 -अनुवाद और भाषा विज्ञान
अनुवाद और अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान
अनुवाद और व्यतिरेकी भाषा विज्ञान
अनुवाद और अर्थ विज्ञान
अनुवाद और वाक्य विज्ञान

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – डॉ. उदयनारायण तिवारी
3. व्यावहारिक हिन्दी – भाषा विज्ञान- शरदा भसीन, मनीषा प्रकाशन, दिल्ली
4. काव्यानुवाद की समस्याएँ – डॉ. भोलानाथ तिवारी
5. अनुवाद सिद्धान्त और समस्याएँ – रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्णकुमार गोस्वामी आलेख प्रकाशन, दिल्ली
6. व्यावसायिक हिन्दी – सं. डॉ. दिलीपसिंह, द. भा. हि. प्रचार सभा
7. व्यावसायिक हिन्दी – डॉ. भोलनाथ तिवारी, ओलेख प्रकाशन, दिल्ली ।
8. अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोला नाथ तिवारी – किताब घर प्रकाशन-, 24/4855, अंसारी रोड दरियांगंज, नई, दिल्ली-110 002
9. अनुवाद कला, डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर, प्रकाश प्रकाशन, 4/19, आसिफ-अली रोड, नई दिल्ली – 110 002
10. अनुवाद विज्ञान: सिद्धांत एवं अनुप्रयोग- डॉ. नगेंद्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली – 110 007
11. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग – जी. गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, महात्मा गाँधी मार्ग, सिविल लाइंस, इलाहाबाद,- 211 001
12. अनुवाद विज्ञान की भूमिका – कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, प्राइवेट लिमिटेड, 1 बी. नेताजी सुभाष मार्ग, दरिया गंज, नई दिल्ली-110 002.
13. अनुवाद की समस्याएँ – श्री. गोपीनाथन, एस. कंदस्वामी, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, महात्मा गाँधी मार्ग, सिविल लाइंस, इलाहाबाद,- 211 001.
14. अनुवाद के भाषिक पक्ष – निभा गुप्ता , वाणी प्रकाशन, 21-ए, दयानाद मार्ग, दरिया गंज, नई दिल्ली-110 002.
15. भारतीय भाषाएँ और हिन्दी अनुवाद, एवं समस्या समाधान – (सं) कैलाश, चन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दयानाद मार्ग, दरिया गंज, नई दिल्ली-110 002.
16. अनुवाद क्या है – डॉ. राजमल बोरा- वाणी प्रकाशन, 21-ए, दयानाद मार्ग, दरिया गंज, नई दिल्ली-110 002.
17. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत एवं प्रविधि - भोला नाथ तिवारी – किताब घर प्रकाशन-, 24/4855, अंसारी रोड दरियांगंज, नई, दिल्ली-110 002.
18. अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार- डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, 1 बी. नेताजी सुभाष मार्ग, दरिया गंज, नई दिल्ली-110 002.
19. अनुवाद अवधारणा एवं विमर्श – श्रीनारायण खमीर - लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, महात्मा गाँधी मार्ग, सिविल लाइंस, इलाहाबाद,- 211 001.
20. अनुवाद का व्याकरण – (सं) डॉ. गार्गी गुप्त, डॉ. लोकनाथ तिवारी, भारतीय अनुवाद परिषद्, 24 स्कूल लेन, बेससेन्ट, बंगाली मार्केट, नई दिल्ली-110 001.
21. अनुवाद भाषाएँ – समस्याएँ – एन. ई. विश्वनाथ अय्यर, ज्ञानगंगा, 205-सी चावड़ी बाज़ार, दिल्ली – 110 006.
22. अनुवाद प्रक्रिया एवं व्यावहारिकता – संतोष अलेक्स, Authorspress, Q-2A Hauz Khas, New Delhi.
23. Approaches to translation : Peter New Mark, Shanghai Foreign Language Education press, 558 Dalian W. road, Luxun Gong Yuan, Hongkow Qu., Shanghai Shi, China.
24. Essay on the Principle of Translation : A.F. Tylter, London : J.M. Dent and Co., New York : D.P. Dutton and Co.
25. Translation and Interpreting : R. Gargesh, K.K. Goswami, Orient Blackswan Pvt. Ltd., Shop No. : 1/24, Asaf Ali Road, Kucha Pati Ram Chandni Chowk, New Delhi, 110 006

MAHD-1942 - भाषा प्रौद्योगिकी

मानव भाषा का कंप्यूटर पर संसाधन, उसके सक्षम प्रयोग के लिए आवश्यक ज्ञान की शाखा को विकसित करने की ज़रूरत है। इस ज़रूरत को पूरा करने के क्रम विकसित ज्ञान की शाखा को प्राकृतिक भाषा संसाधन अथवा, कंप्यूटरीय भाषाविज्ञान, की संज्ञा दी जाती है। कंप्यूटरीय भाषाविज्ञान के सैद्धांतिक सूत्रों के आधार पर व्यावहारिक भाषिक मॉडल तैयार करने और भाषा-संसाधन कार्यों को सफलतापूर्वक सुसंपन्न करने के लिए एक अनुप्रायोगिक ज्ञान की शाखा 'प्राकृतिक भाषा संसाधन' विकसित हो गई है। यह स्पष्ट है कि कंप्यूटर तथा वेब पर उपलब्ध भाषिक सामग्री के संसाधन के लिए हमें अपेक्षित सॉफ्टवेयर उत्पादों के विकास के लिए प्राकृतिक भाषा-संसाधन की प्रक्रिया का सहारा लेने की ज़रूरत है।

प्राकृतिक भाषा संसाधन भाषा-प्रौद्योगिकी आधारित भाषावैज्ञानिक प्रक्रिया होने की वजह से इससे कंप्यूटर की भाषिक क्षमता में विकास हो जाती है। चूंकि भाषा प्रौद्योगिकी के विकास में विभिन्न ज्ञान की शाखाओं के विशेषज्ञों की आवश्यकता है, और इन विशेषज्ञों को भाषा प्रौद्योगिकी के विकास के लिए अपेक्षित ज्ञान, कुशलताओं की भी बड़ी ज़रूरत है। कंप्यूटर प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के साथ भाषा-वैज्ञानिकों, भाषिक प्रयोग व्यवहार ज्ञान के विशेषज्ञों को काम करने की ज़रूरत है। विभिन्न भाषाओं के लिए भाषा प्रौद्योगिकी के विकास के लिए कुशल जनबल की ज़रूरत है जो उन भाषाओं के प्रवीण होने के साथ-साथ भाषा प्रौद्योगिकी के मूलभूत सिद्धांतों, कंप्यूटरीय भाषा विज्ञान प्राकृतिक भाषा संसाधन की तमाम प्रक्रियाओं, उद्देश्यों, लक्ष्यों से भली-भाँति परिचित हो। प्राकृतिक भाषा संसाधन के कार्यों के ज्ञाता होने से वे अपनी भूमिका भली-भाँति निभा सकते हैं। हिंदी भाषा एवं साहित्य में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम के छात्रों को अपने पाठ्यक्रम के अंतर्गत यह ज्ञान व कुशलताएँ हासिल करने से भविष्य में अपने कैरियर के एक विकल्प के रूप में अथवा अपनी अभिरुचि के रूप में अपनाकर भाषाओं के प्रौद्योगिकीय विकास में योगदान भी दे सकते हैं। इसी दृष्टि से भाषा प्रौद्योगिकी संबंधी एक प्रपत्र पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

• इकाई 1 - कंप्यूटर – भाषा – सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी

1. कंप्यूटर का सामान्य परिचय
2. भाषा चिंतन
3. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी
4. भाषा प्रौद्योगिकी
5. हिंदी भाषा एवं देवनागरी लिपि का कंप्यूटरीय अनुकूलता के प्रयास

• इकाई 2 - कंप्यूटरीय भाषाविज्ञान का परिचय

6. कंप्यूटरीय भाषाविज्ञान
7. भाषावैज्ञानिक चिंतन परंपरा
8. रूपवैज्ञानिक विश्लेषण
9. वाक्यगत विश्लेषण: व्याकरणिक कोटियाँ
10. अर्थ विज्ञान के कंप्यूटरीय पहलू

• इकाई 3 - प्राकृतिक भाषा संसाधन की भूमिका

11. प्राकृतिक भाषा संसाधन की अवधारणा
12. कृत्रिम बुद्धि का परिचय
13. प्राकृतिक भाषा संसाधन के सामान्य कार्य

• इकाई 4. कंप्यूटरीय भाषाविज्ञान के उत्पादों का सामान्य परिचय

14. प्राकृतिक भाषा संसाधन के अनुप्रयोगों का वर्गीकरण

15. शब्द-संसाधन प्रणालियाँ
16. पाठ विश्लेषण व अन्य प्रौद्योगिकीय प्रणालियाँ
17. वाक् विश्लेषण व अन्य प्रौद्योगिकीय प्रणालियाँ
18. सूचना प्रत्ययन, सूचना निष्कर्षण एवं विशेषज्ञता प्रणालियाँ
19. मशीनी अनुवाद

• **इकाई 5. हिंदी के लिए कंप्यूटरीय भाषाविज्ञान के उत्पाद**

20. हिंदी में भाषाप्रौद्योगिकी के विकास में सरकारी प्रयास
21. हिंदी में भाषाप्रौद्योगिकी के विकास में निजी प्रयास
22. हिंदी शब्द-संसाधन प्रणालियाँ
23. हिंदी लिप्यंतरण एवं अनुवाद प्रणालियाँ
24. हिंदी प्राकृतिक भाषा संसाधन के औज़ार

संदर्भ ग्रंथ

- D. Jurafsky, J. H. Martin, and A. Kehler, Speech and language processing: An introduction to natural language processing, computational linguistics, and speech recognition, MIT Press, 2008.
- Christopher Manning and Hinrich Schutze. Foundations of Statistical Natural Language Processing. MIT Press, Cambridge, MA, 1999.
- Igor Bolshakov, Alexander Gelbukh, Computational Linguistics: Models, Resources, Applications, Instituto Politecnico Nacional, Tresguerras, DF, 2004
- Ralph Grishman, Computational Linguistics: An Introduction, Cambridge University Press, 1986
- Alexander Clark, Chris Fox, and Shalom Lappin (Editors), The Handbook of Computational Linguistics and Natural Language Processing, A John Wiley & Sons, Ltd., Publication, 2010
- Nitin Indurkha, Fred J. Damerau (Editors), Handbook of Natural Language Processing (Second Edition), MIT, 1999
- Ron Cole (Editor in Chief), Survey of the State of the Art in Human Language Technology, Cambridge University Press and Giardini 1997
- Noam Chomsky, Syntactic Structures, The Hague, Mouton, 1957
- Kavi Narayana Murthy, Natural Language Processing – An Information Access Perspective, Ess Publications, New Delhi, 2006
- डॉ. सी. जय शंकर बाबु, भाषा प्रौद्योगिकी, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी, 2015
- भोलानाथ तिवारी, भाषाविज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद, 1988
- विजय कुमार मल्होत्रा, कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1998
- पांडेय शशिभूषण 'शीतांशु', अद्यतन भाषाविज्ञान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012
- पांडेय शशिभूषण 'शीतांशु', भाषा-विमर्श नव्य भाषावैज्ञानिक संदर्भ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013
- रामकिशोर शर्मा, भाषा-चिंतन के नए आयाम, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010
- कृष्ण कुमार गोस्वामी, अनुवाद विज्ञान की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2008

वेबसाइट

<http://cdac.in>
<http://ildc.in>
<http://tdil.mit.gov.in>

MAHD-1943 - नई मीडिया एवं हिंदी

इकाई 1 -ऑनलाइन संचार के विविध आयाम

1. संचार की अवधारणा
2. ऑनलाइन संचार
3. इंटरनेट
4. वेबसाइट
5. ऑनलाइन संचार के विविध रूप

इकाई 2 -नई मीडिया का सामान्य परिचय

6. नई मीडिया की अवधारणा एवं प्रकृति
7. नई मीडिया के सिद्धांत एवं अभिलक्षण
8. प्रौद्योगिकियों का अभिसरण
9. उभरती प्रवृत्तियाँ

इकाई 3- नई मीडिया के तकनीकी आयाम

10. वेब अभिकल्पन
11. वेब अभिकल्पन की तकनीकी कुशलताएँ
12. नई मीडिया : सैद्धांतिक विमर्श
13. साइबर साहित्य : एक सैद्धांतिक विमर्श
14. आलोचना के नए प्रतिमान : साइबर आलोचना का परिप्रेक्ष्य

इकाई 4 -हिंदी नई मीडिया : अतीत और वर्तमान

15. हिंदी नई मीडिया का आरंभिक इतिहास
16. हिंदी वेब पोर्टलों की स्थिति
17. ई-शासन में हिंदी की स्थिति
18. हिंदी मीडिया की ऑनलाइन में उपस्थिति और स्थिति

इकाई 5 -नई मीडिया से संबद्ध कानूनी प्रावधान एवं आचार संहिता

19. बौद्धिक संपदा अधिकार और सूचना समाज
20. सूचना समाज में शासन
21. सूचना समाज में अपराधिक गतिविधियाँ
22. ई-व्यापार
23. सूचना समाज में निजता
24. भारतीय परिवेश में कानूनी प्रावधान – नई मीडिया का संदर्भ

संदर्भ ग्रंथ

1. Andrew Murray, *Information Technology Law – The law and society*, Oxford University Press, 2013
2. Andrew Dewdney and Peter Ride, *The New Media Handbook*, Routledge, 2006.
3. Gitelman L. and Pingree G.B., *New Media 1740–1915*, Cambridge, MA: MIT Press, 2003
4. Harries, D. (ed.), *The New Media Book*, BFI, London, 2002
5. Lister, M. (ed.), *The Photographic Image in Digital Culture*, Routledge, London, 1995
6. Manovich, L. *The Language of New Media*, Cambridge, MA: MIT Press, 2001
7. Mike Ward, *Journalism Online*, Focal Press, 2007
8. N. Wardrip-Fruin, N. Montfort (eds) *The New Media Reader*, Cambridge, MA: MIT Press, 2003
9. Ralph Moseley, M.T. Savaliya, *Developing Web Applications*, Wiley India, 2013
10. डॉ. सी. जय शंकर बाबु, *नई मीडिया एवं हिंदी*, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी, 2015
11. कमलेश जैन, कॉपीराइट, राजकमल पेपरबैक्स, नई दिल्ली, 2008
12. रमेश जैन, *भारत में मीडिया कानून*, पंचशील प्रकाशन, जयपुर, 2009
13. सुरेश कुमार, *इंटरनेट पत्रकारिता*, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004

वेबसाइट <http://www.archive.india.gov.in>, <http://cdac.in>, <http://vikaspedia.in>, <http://wikipedia.org>

MAHD-1944- हिंदीतर प्रदेश : हिंदी भाषा एवं साहित्य

इकाई 1. - हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी भाषा एवं साहित्य

1. उत्तर भारत के हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी भाषा एवं साहित्य
2. पश्चिम भारत के हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी भाषा एवं साहित्य
3. पूर्वी भारत के हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी भाषा एवं साहित्य
4. पूर्वोत्तर भारत में हिंदी भाषा एवं साहित्य
5. दक्षिण भारत में हिंदी

इकाई-2 - हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी साहित्य का सामान्य परिचय

6. 18 वीं सदी तक का हिंदी साहित्य
7. 19 वीं सदी का हिंदी साहित्य
8. 20 वीं सदी का साहित्य

इकाई-3 - हिंदी साहित्य को दक्षिण भारत की देन

9. हिंदी साहित्य को तमिलनाडु की देन
10. हिंदी साहित्य को केरल की देन
11. हिंदी साहित्य को आंध्र प्रदेश व तेलंगाना की देन
12. हिंदी साहित्य को कर्नाटक की देन

साहित्य खंड

इकाई-4 – दक्षिण भारतीय लेखकों के हिन्दी साहित्य का अध्ययन –काव्य एवं नाटक विधाएँ

13. काव्य – विधा
14. प्राचीन कविताएँ - स्वाति तिरुनाल के पद (5 पद)
15. आधुनिक कविताएँ
अमरबापू - पी. नारायण
सुनामी - कौसल्या अम्माल
मज़दूर - सी. आर. राजश्री
भूकंप - के.जे. हैलेन
संक्रांति - पी.जी. वैकटगिरि गिरीश
फुल की रंगोली - कानायी कुंजीरामन
तुम उदास हुई - सुमतींद्र
गुलनार - एम. दामोदर कुरूप
बंदे मातरम - आलूरी बैरागी
16. नाटक – विधा देवयानी - एन. चंद्रशेखरन नायर
17. एकांकी – विधा बादलों की ओट में - रुक्माजी राव 'अमर'

इकाई-5 - दक्षिण भारतीय लेखकों के हिन्दी साहित् का अध्ययन: कहानी एवं अन्य विधाएँ

18. उपन्यास –विधा -प्रकाश और परछाई - बालशौरि रेड्डी
19. कहानी –विधा -चाँदी का जूता - बालशौरि रेड्डी
महाबलिपुरम - आरिगपूडी रमेश चौधरी
काट के काफ़न - एन. चंद्रशेखरन नायर
20. व्यंग्य –विधा - थानेदार के कारनामे - रुक्माजी राव 'अमर' परिशिष्ट (रचना एवं रचना परिचय)

सहायक ग्रंथ

- डॉ. सी. जय शंकर बाबु, हिंदीतर प्रदेश : हिंदी भाषा एवं साहित्य, दूरस्थ शिक्षा निदेशाल, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी, (2015)
- रवींद्रकुमार जैन, 'बालशौरिरेड्डी का औपन्यासिक कृतित्व' (1991), साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद
- विश्वनाथ अय्यर एन.ई., केरल में हिंदी भाषा और साहित्य का विकास (1996), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- चंद्रशेखरन नायर एन., केरल के हिंदी साहित्य का बृहद् इतिहास (2005), केरल हिंदी साहित्य अकादमी, तिरुवनंतपुरम
- विश्रान्त वसिष्ठ (सं.), तमिळनाडु की समकालीन हिंदी कविता (1998), रघुवीर प्रकाशन, एलम (उ.प्र.)
- यार्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद, हिंदी कविता को आंध्रों की देन (1985), मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद
- अनिता, आरिगपूडि व्यक्ति और रचनाकार (2008), मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद
- आदेश्वर राव पी., दक्षिण भारतीय हिंदी साहित्य का इतिहास (2012), अमन प्रकाशन, कानपुर
- रमेश चंद्र शर्मा (सं.), भारत के हिंदीतर क्षेत्रों में हिंदी 2007, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।